



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

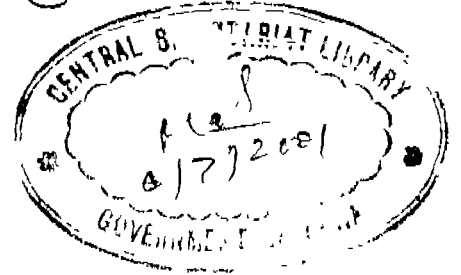
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 21 ]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 10, 2001/पौष 20, 1922

No. 21]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 10, 2001/PAUSA 20, 1922

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 2001

का. आ. 26(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-II) लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित एक सरकारी कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय नम्बर 4 ऐनडर्सन स्ट्रीट, आयानवरम-चेन्नई-600023 में है; का मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-I) लिमिटेड जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित एक सरकारी कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पल्लवन हाउस, अन्नासलाई चेन्नई-600002 में है, के साथ, डिपो, उपस्करों, कार्मिकों, सामग्री और अन्य अवसंरचनात्मक प्रसुविधाओं के प्रभावी और दक्ष उपयोग के प्रयोजन के लिए नीति का समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उत्पादन इकाइयों जैसे बाड़ी निर्माण इकाई, पुनर्नवन इकाई, पुनश्चरण इकाई आदि के दक्ष और मितव्ययी विस्तार के लिए, दक्ष, पर्याप्त, मितव्ययी और समुचित रूप से समन्वयित सड़क परिवहन प्रसुविधा और सहबद्ध क्रिया कलापों की व्यवस्था करने के लिए एक कंपनी में समामेलन किया जाना चाहिए ;

और दोनों कंपनियों अर्थात् मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-II) लिमिटेड और मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-I) लिमिटेड ने 21 सितंबर, 1999 को हुए असामान्य साधारण अधिवेशनों में दोनों कंपनियों के शेयर धारकों द्वारा पारित संकल्प द्वारा समामेलन की स्कीम का अनुमोदन कर दिया है ;

और समामेलन के लिए प्रस्तावित आदेश की एक प्रति, प्रारूप रूप में पूर्णकृत कंपनियों अर्थात् मैसर्स मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-II) लिमिटेड और मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-I) लिमिटेड को, आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करने के लिए दो समाचार पत्रों में प्रकाशन के लिए भेजी गई थीं ;

और मैसर्स मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-II) लिमिटेड के मैसर्स मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-I) लिमिटेड के साथ समामेलन की स्कीम, दोनों कंपनियों द्वारा क्रमशः दैनिक समाचार पत्रों अर्थात् "दि इकानामिक टाइम्स" (अंग्रेजी),

तारीख 17-5-2000 को "दिनाकरन" (जनभाषा) तारीख 17-5-2000 को और "फाइनेंशियल एक्सप्रेस" (अंग्रेजी) तारीख 13-5-2000 को "दिनाकरन" (जनभाषा) तारीख 13-5-2000 में प्रकाशित की गई थी,

और, संघ से प्राप्त आक्षेपों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया था;

अतः अब केन्द्रीय सरकार कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दोनों कंपनियों का समामेलन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-II) लिमिटेड और मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-I) लिमिटेड, समामेलन आदेश, 2000 है।
- परिभाषाएं—इस आदेश में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो—
  - "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है।
  - "विघटित कंपनी" से मैसर्स मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (डिवीजन-II) लिमिटेड अभिप्रेत है।
  - "परिलक्षित कंपनी" से मैसर्स मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-I) अभिप्रेत है।
- शेयर धारण का पैटर्न—(क) 31 मार्च, 1999 को दोनों कंपनियों के शेयर धारण का पैटर्न निम्न रूप में है—  
(विघटित कंपनी)

क्रम सं०	शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपये में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल, चेन्नई	6,72,89,900	67,28,99,000
2.	अन्य (दस) प्रत्येक एक शेयर का धारक है जो तमिलनाडु सरकार के नामनिर्देशित है।	10	100
योग		6,72,89,910	67,28,99,100

124 रु० का शेयर अग्रिम

(ii) परिलक्षित कंपनी

क्रम सं०	शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपये में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल, चेन्नई	7,41,86,337	74,18,63,370
2.	अन्य (नौ) जिनमें 6 निदेशक प्रत्येक 10 शेयर, 3 निदेशक प्रत्येक 1 शेयर, का धारक है जो तमिलनाडु सरकार के नामनिर्देशित हैं।	63	630
योग		7,41,86,400	74,18,64,000

(ख) विघटित कंपनी के सभी शेयर जो इस समय तमिलनाडु के राज्यपाल या उनके नामनिर्देशितों के नाम पर धारित हैं रद्द कर दिए जाएंगे।

(ग) परिलक्षित कंपनी, आदेश प्रभावी होने पर प्रति शेयर 10 के हिसाब से 14,14,76,310 शेयर तमिलनाडु के राज्यपाल और उनके नामनिर्देशितियों को देगी और नियत दिन को परिणामी कंपनी की अंश पूंजी निम्न रूप में होगी :—

क्रम सं०	शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपये में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल, चेन्नई और उनके नामनिर्देशित	14,14,76,310	141,47,63,100
योग		14,14,76,310	141,47,63,100
शेयर अग्रिम			केवल 124 रु०

4. **कंपनियों का सम्मेलन :—**( 1 ) नियत दिन पर या से—मेट्रोपालिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-II) लिमिटेड का समस्त कार्यभार और उपक्रम ख/जहां है/जैसा है की शर्त पर, जिसके अन्तर्गत सभी संपत्तियां, चाहे जंगम हों या स्थावर और अन्य आस्तियां हैं, चाहे जिस प्रकृति की हों, जिसके अंतर्गत मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियां, पट्टे, अभिवृत्ति अधिकार शेयरों या अन्यथा विनिधान, व्यापार स्टाक, औजार अभिवहन में माल, सभी किस्म के धनों का अग्रिम, बची ऋण, बकाया धन, वसूली योग्य दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञप्तियां और अनुज्ञा पत्र, आयात और अन्य अनुज्ञप्तियां आशय के पत्रा और सभी अधिकारों के पत्र तथा प्रत्येक प्रकार की शक्तियां सम्मिलित हैं किन्तु विघटित कंपनियों की उक्त संपत्तियों को प्रभावित करने वाले सभी बंधक और प्रभार और आडमान, प्रतिभूतियां और सभी अधिकारों, जो भी हों, के अधीन रहते हुए बिना और कार्य तथा विलेख के तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार परिलक्षित कंपनी को अंतरित हो जाएगी और उसमें निहित हो जाएगी या अंतरित और उसमें निहित समझी जाएगी।

(2) लेखा प्रयोजन के लिए, सम्मेलन उक्त दोनों कंपनियों के 31 मार्च, 1999 को संपरीक्षित लेखा और तुलन पत्रों के प्रति निर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् के संव्यवहार एक ही खाते में पुलित किए जाएंगे। विघटित कंपनी से किसी पश्चातवर्ती तारीख को उसके अंतिम खाते तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिलक्षित कंपनी, विघटित कंपनी के 31-4-1999 के तुलन पत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्व ग्रहण करेगी और उसके पश्चात् के सभी संव्यवहारों के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

**स्पष्टीकरण—**विघटित कंपनी के उपक्रम के अंतर्गत विकास रिबेट आरक्षितियां यदि कोई है, सभी अधिकार शक्तियां, प्राधिकार और विशेषाधिकार और सभी संपत्ति जंगम या स्थावर हैं जिसके अंतर्गत नकद अतिपेश, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष उक्त विनिधान और संपत्तियों में या उनसे उद्भूत सभी अन्य हित, और अधिकार जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के कब्जे में हों या उससे संबद्ध हों और तत्कालीन विघटित कंपनी से संबंधित सभी बहियां लेखे और उससे संबंधित दस्तावेजों और किसी भी किस्म के सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं सम्मिलित हैं।

5. **संपत्ति की कतिपय मर्दों का अंतरण :—**इस आदेश के प्रयोजन के लिए नियत दिन को विघटित कंपनी के सभी लाभ या हानियां या दोनों, यदि कोई हों, और विघटित कंपनी की राजस्व आरक्षितियां या कमियां या दोनों, यदि कोई हो, की बाबत परिलक्षित कंपनी को अंतरित होते समय, यथास्थिति, परिलक्षित कंपनी के, क्रमशः लाभ या हानियां और राजस्व आरक्षितियों या कमियों के भाग होंगे।

6. **संविदाओं की व्यावृत्ति, आदि :—**इस आदेश में अंतर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएं विलेख बंध पत्र, करार और अन्य लिखित चाहे वे किसी भी प्रकृति के हों, जिसमें विघटित कंपनी एक पक्षकार है जो नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान या प्रभावी हैं, परिलक्षित कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतया प्रवृत्त और प्रभावी होंगे और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप में प्रवृत्त किया जा सकेगा मानों परिलक्षित कंपनी उसकी एक पक्षकार है।

7. **विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :—**यदि नियत दिन को, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध किए गए कोई चाद अभियोजन अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां चाहे किसी प्रकृति की हों, लंबित है, तो विघटित कंपनी के उपक्रम के परिलक्षित कंपनी को अंतरित हो जाने या इस आदेश में किसी बात के कारण उपशमित नहीं होगी या रोकी नहीं जाएगी या किसी भी प्रकार से प्रतिकूल रूप में प्रभावित नहीं होगी, किन्तु चाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां उसी रीति से और उसी सीमा तक परिलक्षित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखा जा सकेगा प्रवर्तित और अभियोजन प्रवर्तित किया जा सकेगा जिस प्रकार यदि वह आदेश न किया गया होता तो विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रहता, अभियोजन किया जाता और प्रवर्तन किया जाता।

8. **कराधान की बाबत उपबंध :—**नियम दिन से पूर्व विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारोबार के लाभों और अभिलाभों, (जिसके अंतर्गत संचित हानियां और अनामेयित अवक्षयण सम्मिलित है) की बाबत सभी कर परिलक्षित कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन रहते हुए संदेय होंगे जो इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात किए जाएं।

9. **विघटित कंपनी के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध :—**विघटित कंपनियों में नियम दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (इनमें विघटित कंपनी के निदेशक सम्मिलित नहीं हैं) नियत दिन से ही परिलक्षित कंपनी का, यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी हो जाएगा और उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं

- निबन्धनों और शर्तों पर और वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जिनके साथ वह विघटित कंपनी के पद धारण करता, यदि यह आदेश न किया जाता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक की परिलक्षित कंपनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या पारस्परिक सहमति द्वारा उसके पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों में सम्यक् रूप से परिवर्तन नहीं कर दिया जाता है।
10. **निदेशकों की स्थिति :**—विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व उसी रूप में पद धारण किए हुए है नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रहेगा।
11. **भविष्य निधि, अधिवर्षिता, कल्याण और अन्य निधियां :**—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसरण के अधीन रहते हुए, विघटित कंपनी द्वारा उसके अधिकारियों और कर्मचारियों के फायदे के लिए स्थापित भविष्य निधि या अधिवर्षिता निधि या कल्याण निधि और किसी अन्य निधि के न्यासी नियत दिन को न्यास की निधियों का अंतरण परिलक्षित कंपनी को करेंगे, जो ठीक नियत दिन से उपरोक्त धन से एक या अधिक न्यासों का गठन करेंगे, जिनके उद्देश्य, निबंधन और शर्तें वहीं होंगी जो विद्यमान न्यास की हैं, या विद्यमान निधियों का परिलक्षित कंपनी के तत्स्थानी एक या अधिक न्यासों का अंतरण किया जा सकेगा और विघटित कंपनी तथा परिलक्षित कंपनी द्वारा स्थापित न्यास के हिताधिकारियों के अधिकारों और हितों को किसी भी रूप में कम या प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं किया जाएगा।
12. **भविष्य निधि की सदस्यता :**—विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि स्कॉम और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिनके वे सदस्य थे और परिलक्षित कंपनी, राजपत्र में, इस आदेश के प्रकाशन के नियत दिन से इन अधिकारियों और कर्मचारियों को बाबत उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजक का अभिदाय उसी दर से करेगी और करती रहेगी जिस दर से विघटित कंपनी करती रही है।
13. **मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिवीजन-II) लिमिटेड का विघटन :**—इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से ही मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिवीजन-II) लिमिटेड का विघटन हो जाएगा और कोई व्यक्ति, विघटित कंपनी के विरुद्ध, या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उसके ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत में कोई दावा नहीं करेगा, मांग प्रख्यापित नहीं करेगा या कार्यवाही प्रारंभ नहीं करेगा सिवाय उनके जो इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हों।
14. **कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण :**—केन्द्रीय सरकार इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात्, यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार, चेन्नई को इस आदेश की प्रति भेजेगा जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, चेन्नई परिलक्षित कंपनी द्वारा विहित फीस को संदेय किए जाने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक माह के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण के अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, चेन्नई विघटित कंपनी के संबंध में उसके पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेज मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिवीजन-I) लिमिटेड जिसके साथ विघटित कंपनी का सामेलन किया गया है कि फाइल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।
15. **परिलक्षित कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद :**—मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिवीजन-II) लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान हैं नियत दिन से ही परिलक्षित कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[फा. सं. 24/12/99/सीएल-III]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

## ORDER

New Delhi, the 1st January, 2001

**S.O. 26(E).**—Whereas, the Central Government is satisfied that it is essential in the public interest that the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited, a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at No. 4, Anderson Street, Ayanavaram, Chennai-600 023 should be amalgamated with the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-I) Limited, a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Pallavan House, Anna Salai, Chennai-600 002, into a single company for the purpose of effective and efficient use of the Depots, Equipments, Personnel, Material and other infrastructure facilities, for ensuring co-ordination in policy, for the efficient and economic expansion of Production Units viz., Body Building Unit, Re-conditioning Unit, Retreating Unit etc., for providing an efficient, adequate, economical and properly co-ordinated Road Transport facility and allied activities;

And whereas, both the companies namely, the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited and the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-I) Limited have approved the scheme of amalgamation by resolution passed by the shareholders of both the companies in the Extraordinary General Meetings held on 21st September, 1999;

And whereas, copy of the proposed Order for amalgamation was sent in draft to the aforesaid Companies namely M/s. Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited and M/s. Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-I) Limited for its publication in two newspapers inviting objections and suggestions;

And whereas, the scheme of amalgamation of M/s. Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited with M/s. Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-I) Limited was published by both the Companies in the daily newspapers namely "The Economic Times" (English) on 17-05-2000, "Dinakaran" (Vernacular Language) on 17-05-2000 and in "Financial Express" (English) on 13-05-2000 "Dinakaran" (Vernacular Language) on 13.05.2000 respectively;

And whereas the objections received from the Union was considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two Companies, namely :—

**1. Short Title.**—This Order may be called the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited and the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-I) Limited Amalgamation Order, 2000.

**2. Definitions.**—In this Order, unless the context otherwise requires :

- (a) "appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved company" means the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited;
- (c) "resulting company" means the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-I) Limited.

**3. Shareholding pattern.**—(a) The shareholding pattern of the two Companies as on the 31st March, 1999 is as under :—

(i) Dissolved Company :

Sl. No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu, Chennai	6,72,89,900	67,28,99,000
2.	Other (Ten) holding 1 share each who are nominees of Government of Tamilnadu.	10	100
Total		6,72,89,910	67,28,99,100

Share Advance of Rs. 124/-

86 65/2001-2

## (ii) Resulting Company :—

Sl. No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilandu, Chennai	7,41,86,337	74,18,63,370
2.	Others (Nine) holding 6 Directors each 10 shares 3 Directors each 1 shares who are nominees of Government of Tamilnadu	63	630
	Total	7,41,86,400	74,18,64,000

(b) All the shares of the dissolved company which are now held in the name of Governor of Tamilnadu and his/her nominees shall be cancelled.

(c) The resulting company shall issue 14,14,76,310 shares of Rs. 10/- each to Governor of Tamilnadu and his/her nominees upon coming into effect of the Order and the share capital of resulting company on the appointed day shall be as under :—

Sl. No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilandu, Chennai and his nominees.	14,14,76,310	141,47,63,100
	Total	14,14,76,310	141,47,63,100
	Share Advance		Rs. 124/- only.

**4. Amalgamation of Companies.**—(i) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited in as is where is condition, including all the properties, movable or immovable and other assets of whatsoever nature, including machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights, investments in shares or otherwise, stock-in-trade, tools, goods-in-transit, advances of monies of all kinds, book-debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, imports and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description but subject to all mortgages and charges and hypothecations, guarantees, and all rights whatsoever affecting the said properties of dissolved company shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in the resulting company in accordance with the law for the time being in force.

(ii) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 1999 of the said two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 01-04-1999 of the dissolved company and accept full responsibility for the transactions thereafter.

**Explanation.**—The undertaking of the dissolved company shall include Development Rebate Reserve, if any, all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments, all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of the dissolved company immediately before the appointed day and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

**5. Transfer of certain items of property.**—For the purpose of this Order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company, shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

**6. Saving of contracts, etc.**—Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect, against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

**7. Saving of legal proceedings.**—If, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this Order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would have or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this Order had not been made.

**8. Provisions with respect to taxation.**—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

**9. Provisions respecting officers and other employees of the dissolved company.**—Every whole-time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day, in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become an officer or employee, as the case may be, of the resulting company and shall hold his/her office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he/she would have held the same under the dissolved company, if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his/her employment in the resulting company is duly terminated or until his/her remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

**10. Position of Directors.**—Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved company on the appointed day.

**11. Provident, Superannuation, Welfare and other Funds.**—Subject to the compliance with the provisions of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Trustees of the Provident Fund or Superannuation Fund or Welfare Fund and any other funds established by the dissolved company for the benefit of its officers and employees shall transfer funds of the Trust as on the appointed day to the resulting company, who shall immediately from the appointed day constitute the above moneys into one or more trusts with the objects, terms and conditions similar to those of the existing trust or the said existing funds may be transferred to one or more corresponding trusts of the resulting company and the rights and interests of the beneficiaries of the trust established by the dissolved company and resulting company shall not in any way be diminished or prejudiced.

**12. Membership of Provident Fund.**—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employee's Provident Fund under the Scheme of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) of which they are members and the resulting company shall with effect from the appointed day of publication of this Order in the Official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said employees provident fund in respect of these Officers and Employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

**13. Dissolution of the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited.**—Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a Director or any Officer thereof in his capacity as such Director or Officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

**14. Registration of the Order by the Registrar of Companies.**—The Central Government shall, as soon as may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Chennai, a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Chennai, shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Chennai shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved company on the file of the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-I) Limited with whom the dissolved company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

**15. Memorandum and Articles of Association of the resulting company.**—The Memorandum and Articles of Association of the Metropolitan Transport Corporation (Chennai Division-II) Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[F.No. 24/12/99/CL-III]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

